मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 14 मई 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	15/05/19	16/05/19	17/05/19	18/05/19	19/05/19
वर्षा (मि.मी.)	2	0	0	1	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	40	41	41	40	41
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	25	26	26	25	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	5	2	1	4	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	47	48	48	49	49
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	23	24	24	25	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	12	11	13	12	11
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
मिर्च		मिर्च में पर्णकुंचन या मोजेक रोग के प्रकोप से पौधों के पत्ते सिकुड़ कर मुड जाते है तथा छोटे रह जाते है। नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रीड 3 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी या डाईमिथोएट 30 ई.सी. का एक मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
भिण्डी	फल	भिण्डी में लाल मक्डी का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु मिथाइल डिमेटोन 25 ई.सी. 0.1 एम.एल. को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
सब्जियां	फल एंव फूल	सभी सब्जियों एंव फसलों में आवश्कतानुसार सिंचाई करें। सिंचाई सुबह या शाम के समय करें। सब्जियों की तुडाई सुबह या शाम को करें।
		रबी फसलों की कटाई के बाद मिट्टी की जांच किसी प्रमाणित स्त्रोत से कराएं और जहाँ संभव हो अपने खेत का समतलीकरण कराएं।
पशु		गर्मी के कारण पशु के दूध उत्पादन मे कमी आती है अतः पशुओं को उचित मात्रा मे लवण खिलाएं तथा पीने का पानी उपल्बध कराएं।

(नौडल ऑफीसर)